दि. 30/10/07

प्रबंधक महोदय, माणक टी. वी.
6-ए, प्रेस कॉलोनी, तालकोठी,
जयपुर ।

विषय : "माटी री महक" दूरदर्शन कार्यक्रम में हुई वैधानिक त्रुटि के क्रम में

महोदय,

निवेदन है कि आज दि. 24/10/07 को सांय जयपुर दूरदर्शन से प्रसारित आपके कार्यक्रम "माटी री महक" में श्रीमती लक्ष्मी बागपाल का साक्षात्कार दिखाते समय माननीय विधायक का नाम कैप्शन में दो बार दिखाते हुए लिखा गया -" श्रीमती लक्ष्मी बागपाल, विधायिका, देवली विधानसभा क्षेत्र"

विधायक को विधायिका कहना भारी त्रुटि है क्यों कि एम. एल. ए. चाहे महिला हो या पुरुष वह हिन्दी में विधायक ही कहलाता है । विधायिका का तात्पर्य व्यवस्थापिका अर्थात् "लेजिस्लेचर" से है जो कानून बनाती है । केन्द्र में हमारी संसद तथा राज्य में विधानसभा ही विधायिका हैं ।

आशा है ऐसी वैधानिक त्रुटि भविष्य में नहीं होगी ।

सादर

भवदीय

सुरेन्द्र कटारिया